10000 रु. भारतीय गैर न्यायिक Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000 दस हज़ार रुपये

10000 रु. Rs.10000 RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

10000 रु. Rs.10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

03AA 783334

सही सुदर्शन सिंह मो० (1,70,000) एक लाख सत्तर हजार रुपया के मवाजी 18 3/4 डि० पौने उन्नीस डी० जमीन मौजा बैरिया का इजमालन बेचा वसीका पढ़वाकर सुन समझ लिया वा० दिलीप कुमार सिंह ता० 31-3-03 सही दिलीप कुमार सिंह मेरे सामने सुदर्शन सिंह अपना बांए अंगुठा निशान बनाये ता० 31-3-03

सही उमा कान्त सिंह ता० 31-3-2003 इजमालान के बाकि वो पढ़ कर समझ लिया।

१ लेख्यकारी :- श्री सुदर्शन सिंह वो २) श्री उमा कान्त सिंह पे० स्व० रघुवर कृपा सिंह जाति राजपूत साकिनान मौजा बैरीया पोस्ट उदना थाना डाल्टेनगंज जिला पलामू पेशा दस्तकार रहेते। (भारतीय)

२ लेख्यधारी :- श्री मति बिमला देवी जौजे डाक्टर बिजय कुमार सिंह कायम जाति भूमीहार ब्राहमन साकिन नावा हाता अन्दर शहर वो थाना डाल्टेनगंज पो० डाल्टेनगंज जिला पलामू पेशा गृहणि वो तेजारत। (भारतीय)

दस्तावेजकर्ता
दिलीप कुमार सिंह
पिता सुदर्शन सिंह
साकिन बैरीया, डालटनगंज
जिला पलामू ता० 31-3-03

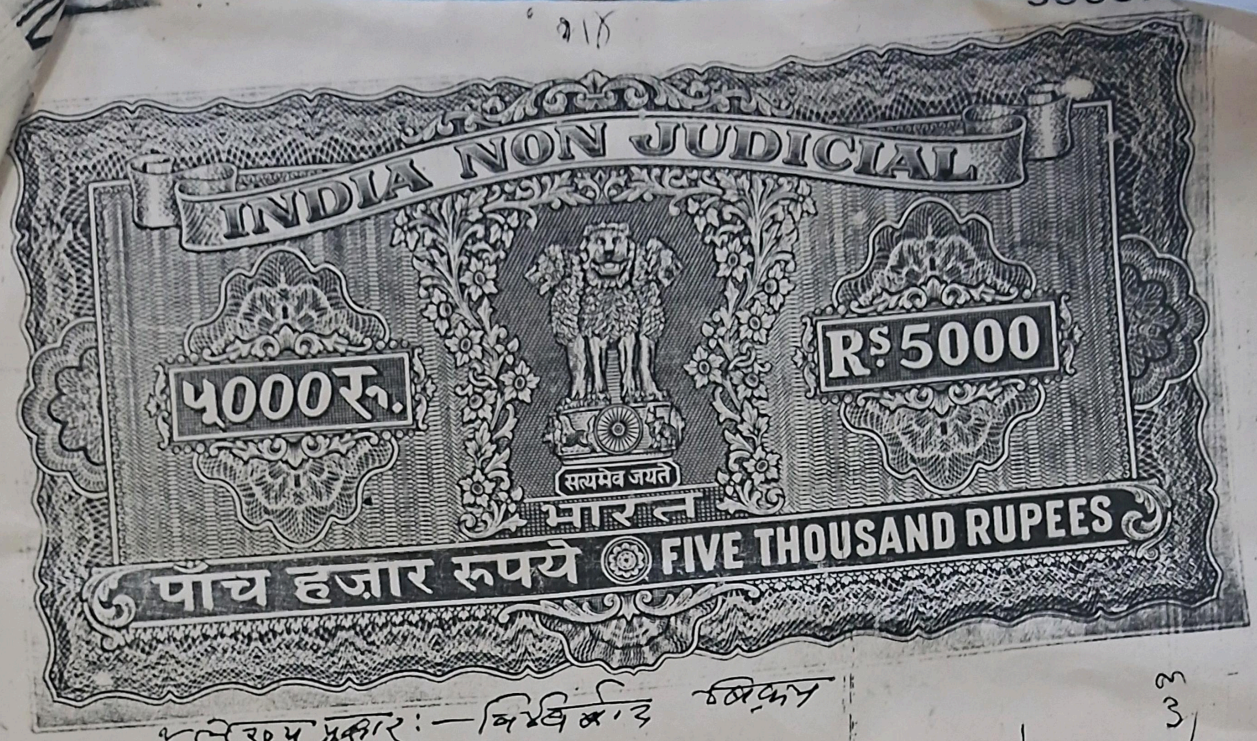

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

<u>दस्तावेज प्रकार</u> :— निर्विवाद विक्रय पत्र (केवाला)

<u>प्र मूल्य दे</u> : मो. १५०,०००/ एक लाख सत्तर हजार रुपये।

सरकार द्वारा निर्धारित मालियत मो० २,३१,५००/ दो लाख एकतीस हजार पांच सौ रुपैया।

<u>क्षेत्रफल</u> :- मवाजी ०-१८ $\frac{3}{4}$ डिस० पौने उन्नीस डिसमील जमीन जो कि पांच का चौथाई नाप करीब कट्ठा होता है इसके संरोह मौजे ओ थाना II स्थ इसमें अवस्थित है मौजा बैरीया थाना फल रेणुका प्रमिल पत्थर पट्टा बना रजिस्ट्री ऑफिस मो० डाल रेणुका हर्किन रैरवटे की पार हो सके उसकी की खरीद चौतरफ करते है जो कृषि भूमी है।

खाता नं.	तौजीन.	रकबा नं.	गाटा संख्या नम्बर	सर्वे नं.
१-२७	१२३,५६८,	८	५२२,५९८	१०७

सही सुदर्शन सिंह बा०
दिलीप कुमार सिंह ता० 31-3-03
सही उमा नाथ सिंह 31-3-2003

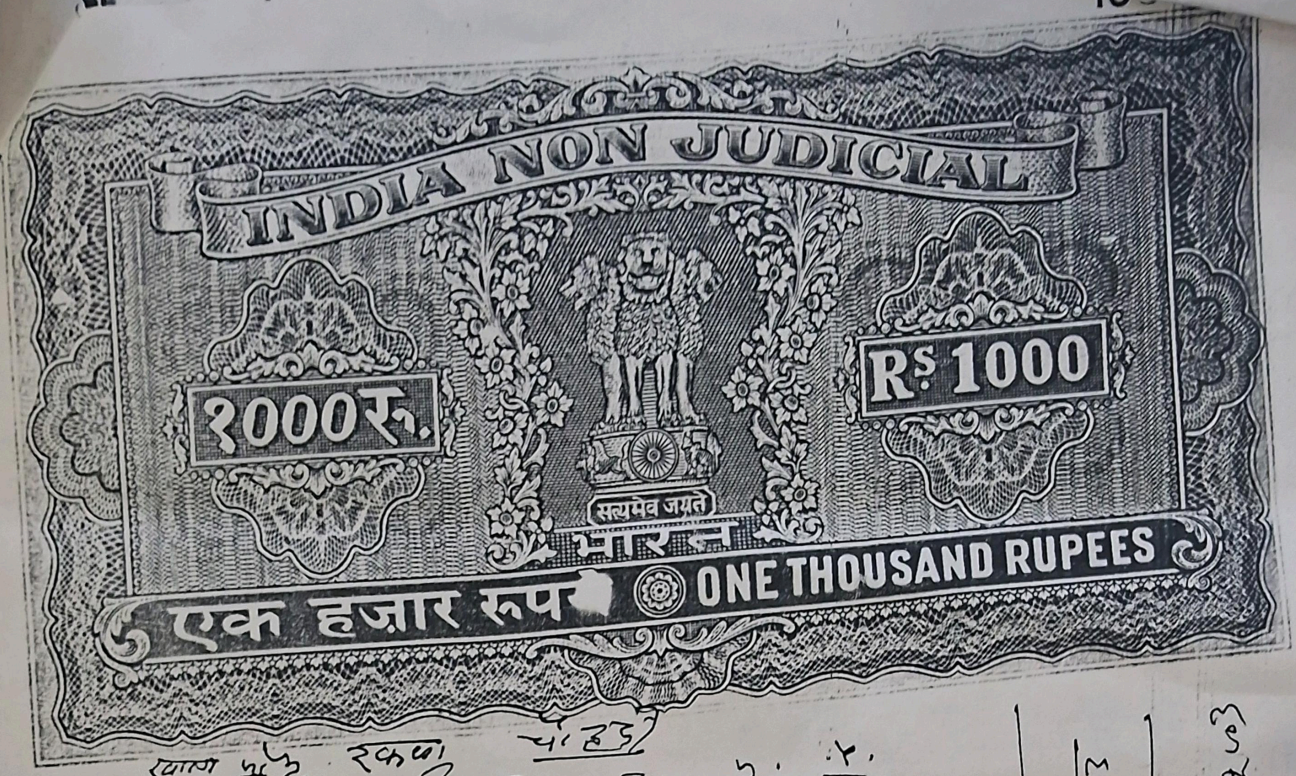

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. — Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये — ONE THOUSAND RUPEES

चौहद्दी

खाता नम्बर	प्लॉट नम्बर	रकबा ए. डि.	उ.	द.	पू.	प.
12	53	0.183/4	दसं नगाभाली सुदर्शन रोड.	[illegible] देवी [illegible]	चौरा [illegible] सिंह वगै.	रोड वगैरह. गोकुल सिंह

पन्ट्टे तिरहुत.

0.183/4 डिस. पौने उन्नीस डिस. जमीन बिक्री करते है।

नाम खरीददार:- [illegible] सरकार [illegible] सदर [illegible]

[illegible]:-

माल [illegible] सलाना मो० [illegible]

पैसा:-

विदित हो कि [illegible] सचर्ज़ीयात के साथ [illegible] मुन्दरजा खाता नम्बर पांच [illegible] ताजा हमलोगों के [illegible] के ता. ना. 2660 दिनांक 11.02.1969 ई. को [illegible] दस्त [illegible] केवाला नम्बर [illegible] को भी [illegible] 1055 दिनांक 15-2.1965 ई. [illegible] दस्त बाजू [illegible] [illegible] से [illegible] कर कायिम दखील रह कर [illegible] की [illegible] हमेशा [illegible]

सही दुरुस्त [illegible] सिंह बा०
दिलीप कुमार सिंह ता० 31-3-03
ह०/- उपम. [illegible] 31-3-03

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs. 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

1000Rs.

प्रसाद सिंह व लक्ष्मी प्रसाद
सिंह को छोड़ कर अन्य
कर गये। अपने पीता के मरने से
लड़के के अधिकारी हमलोग
चारों भाई हुये जिस पर काबिज
दखील रह कर हमलोग आपस
में बटवारा कर लिये थे
बटवारा में और सरकारी के
खाता खुमानी सुन्दरपुर दिना
नम्बर पांच बखौका होगा खाता
हमलोग के हिस्सा में मिला
हमलोग का
जिस पर हमलोग का
था लगातार दखील हैं
चल आते हैं तथा हम
लोगों के नाम दखील
खारीज हो कर हमलोगों
के नाम मालगुजारी
डिमाण्ड चल रहा है जिस
का सालाना गुजारी दे कर
रसीद हासील करते आ
रहे हैं।

प्रो. उमा... 31-3-2003

दिलीप कुमार सिंह 31-3-03

राजीव कुमार सिंह

SECTION Y.Y.
SCALE 1:100

1000Rs.

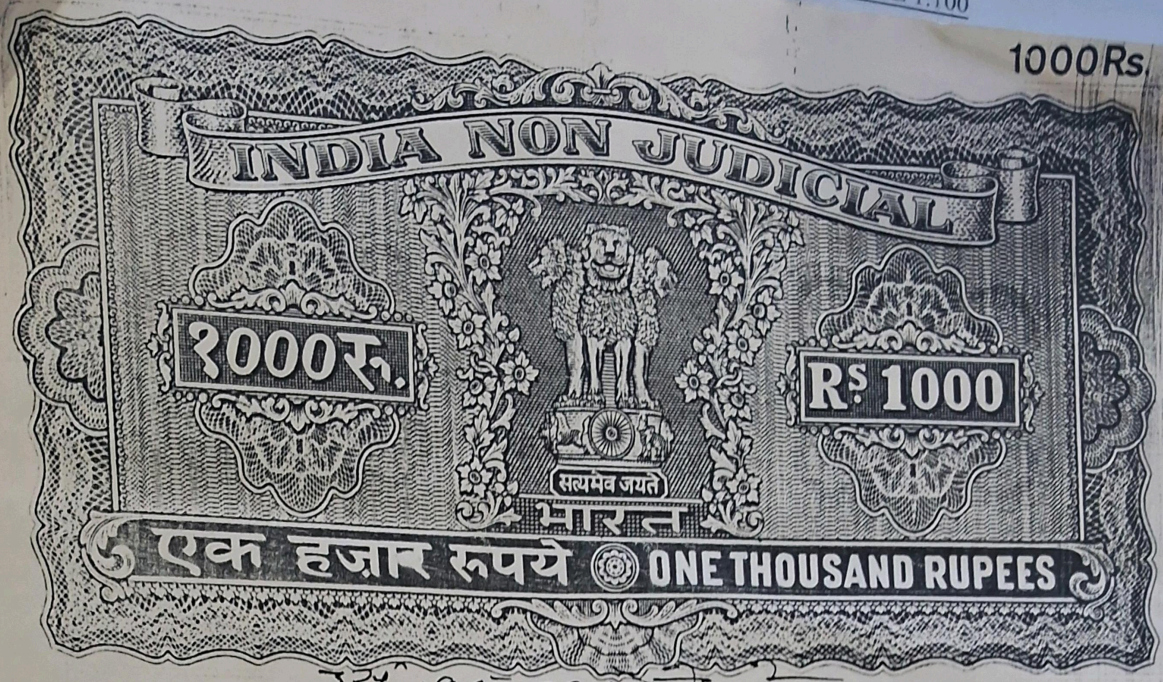

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

इस वक्त हमलोगों को
रुपया की सख्त जरूरी वास्ते
करने शादी लड़की/लड़का
लड़की की भी खाना की
मरम्मत करने मकान की
है जो बिना किये यह
मामला का रुपया इन्तजाम
मुश्किल है।
इस लिये हमलोग अपनी अपनी
मुन्दर्जे खाना जमा फी बसीका
हाजा को कुल अठारह २
रकबा उक्त को हकियत को
ब-मूल्य मो॰ 150,000/ एक
लाख पचास हजार रुपया में
में [illegible] के हाथ हक
लेकर करके खरीदार नम्बर
दो बसीका हाजा के नाम
बेचा व [illegible] बिक्रय
[illegible] [illegible] को आज
पते [illegible] [illegible]
से [illegible]
दखील [illegible]
चाहिये कि खरीदार मौसूफ
खुद में [illegible] कायम [illegible]
कायमान एक [illegible]

स्टाम्प [illegible] ह॰
दिनांक [illegible] 31-3-03
सही [illegible] 31-3-2003

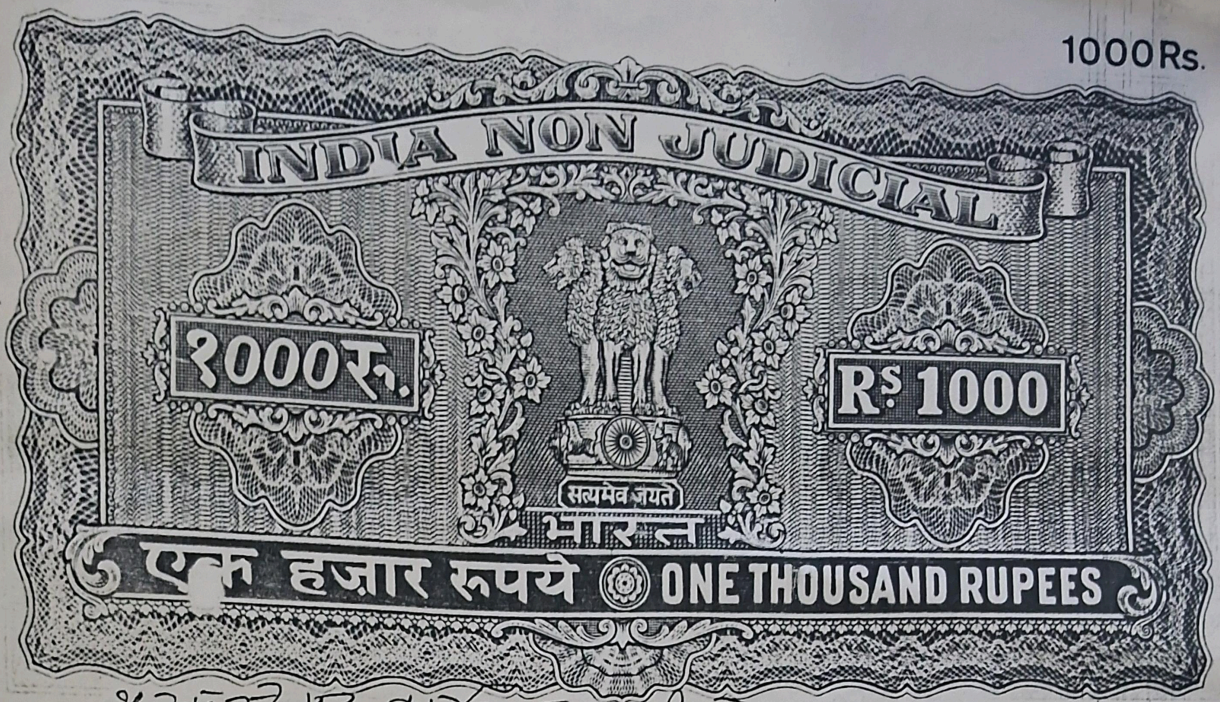

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

भरजमी पर काबिज दखील रह
कर खुद जोत कोड़ करें या
जैसा मुनासिब इन्तजाम
समझे करें मकान बनावें
छप्पा खटाल बाग लगावें
अथवा जैसे भी चाहे उपभोग
करें जिस से हम लोग या हम-
लोगों के वारिसान को कोई
सरोकार वो उजरत होगा।
आगे नहीं जो हक वो हकिय-
-यत हमलोग को हासिल
था या है वो होवें सो
सब कुल हक वो हकियत
आज से खरीदार मौसूफा
को हासिल हुआ वो आइन्दा
हासिल होगा। हमलोग आगे
से बराबर के लिये बाज आ
गये। खरीदार मौसूफा व
सिरिश्ते सम्बलक कागजात
नाम दर्ज करा कर माल-
गुजारी दिया करें। हमलोग
खरीदार मौसूफा को

सही कुन्दन सिंह बा०
दिलीप कुमार सिंह ला० 31-3-03
सही उमा कान्त सिंह 31-3-2003

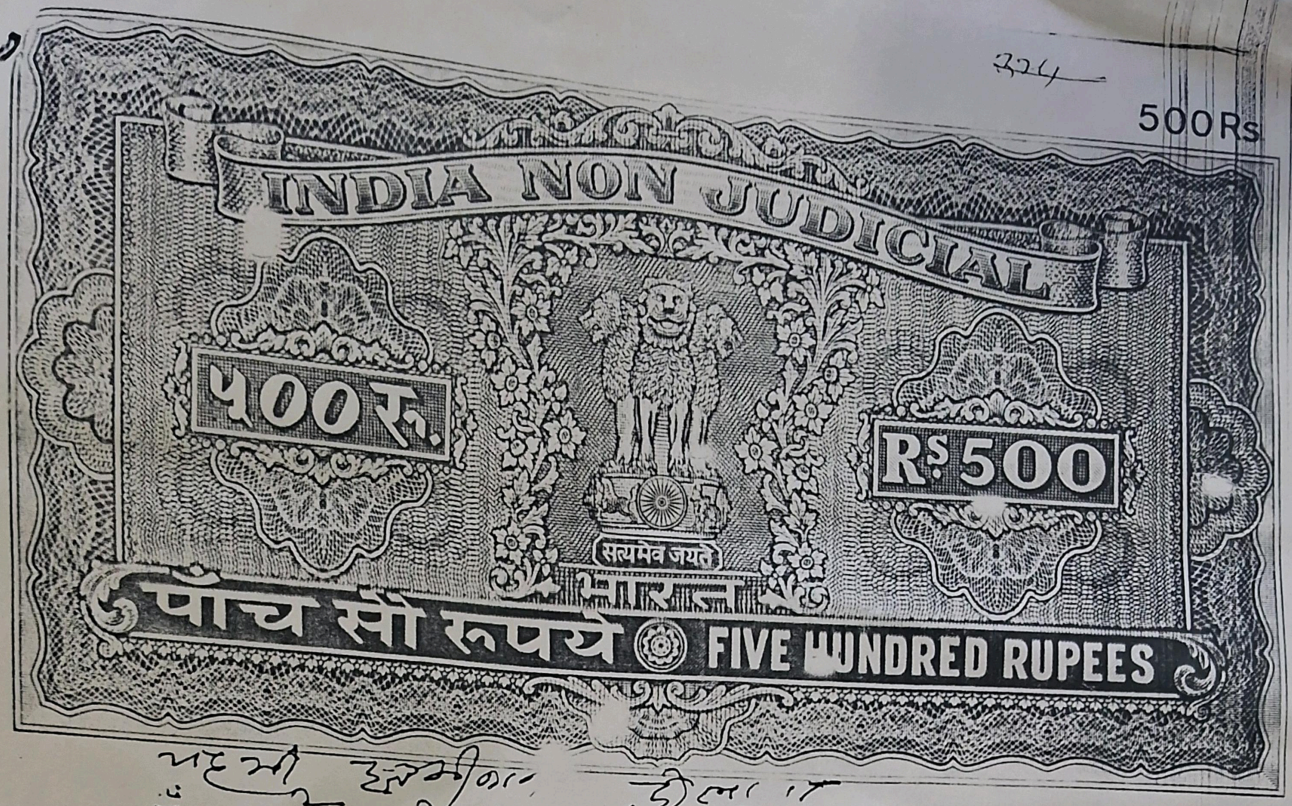

324

500Rs

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

यह भी इत्मीनान दिलाते हैं कि जमीन मजकूर हर तरह से पाक वो साफ है किसी तरह का नुकस या रेहन नहीं है अगर आइन्दा साबित हुआ तो पूरा पाबन्दी हमलोग तथा हमलोग के वारीसान पर है वो होगा तथा आइन्दा नुकस या रेहन साबित हुआ तो उसका जवाब देही वो रेहन हमलोगों पर है वो होगा तथा वैसे हालत में साथ हमलोग हर्जा वो खर्चा के देनदार होंगे। लिहाजा बदलैन कर्ज केवाला के अमल में आया मुल्क वसूल पा लिए जिसमें खरीदार का खरमोहरा बाकी नहीं रहा।

इसलिये अपने खुशी को
रजामन्दी व आमदनी२ होशोहवास के-
साथ को व बुद्धि समझ-बूझ-
कर निर्णय कर के बिक्रय पत्र
(केवाला) लिख दिया कि
समय पर काम आवे।

ता. 31 - 3 - 2003
एकतीस मार्च सन दो हजार
तीन इसवी-

प्रमाणित किया जाता है कि
मूल दस्तावेज की फोटो
कॉपी एक दूसरे के सर्वथा-
प्रतिलिपि है।